DR. NIRAJ KUMAR
Ph.D. (Political Science)
Patna University, Patna
Mobile No.9470087121
E-mail Id: niraj287@gmail.com

E-CONTENT

भारतीय शासन-व्यवस्था में प्रधानमंत्री

भारत का प्रधान मंत्री भारत सरकार की कार्यकारी शाखा का अध्यक्ष होता हैं। उनकी स्थित राष्ट्र के मुखिया भारत के राष्ट्रपति से भिन्न होती है। चूंकि भारत में अब वेस्टमिंस्टर प्रणाली के बाद से सरकार की संसदीय प्रणाली का पालन किया जाता है, इसलिए अधिकांश कार्यकारी शक्तियों का उपयोग प्रधान मंत्री द्वारा ही किया जाता है। प्रधान मंत्री राष्ट्रपति के मुख्य सलाहकार के रुप में कार्य करता है और ये मंत्रिपरिषद का नेता होता है। भारत के प्रधान मंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है और मंत्री परिषद की नियुक्त भी राष्ट्रपति के द्वारा ही प्रधान मंत्री की सलाह के आधार पर की जाती है। प्रधान मंत्री या तो लोक सभा का सदस्य होता हैं या फिर राज्य का सदस्य भी हो सकता है।

प्रधानमंत्री की भूमिका और उत्तरदायित्व

प्रधान मंत्री की भूमिकाएं और उत्तरदायित्व निम्नानुसार हैः

राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद के बीच सेतुः

प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद के अध्यक्ष हैं और इनका कार्य राष्ट्रपति तथा मंत्रिपरिषद के बीच सूचनाओं को आदान-प्रदान करना होता है। प्रधान मंत्री का यह कर्तव्य होता है कि वह मंत्रिपरिषद के सभी निर्णयों की सूचना राष्ट्रपति को प्रदान करें और साथ ही केंदीय प्रशासन या विधायिका के प्रस्ताव की जानकारी भी राष्ट्रपति को दे जो कि आवश्यक होती है|

विभागों का आवंटनः

प्रधानमंत्री, मंत्रियों के बीच पोर्टफोलियो को आवंटित करता है और विभिन्न मंत्रालयों और कार्यालयों के बीच कार्य का वितरण करता है। यह विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्य का समन्वय कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से करता है।

मंत्रालयों के प्रभारीः

प्रधान मंत्री कुछ पोर्टफोलियोको अपने पास भी रखता है, जिन्हें यह अन्य मंत्रियों में आवंटित नहीं करता है। वह आम तौर पर निम्नलिखित मंत्रालयों / विभागों का प्रभारी होते हैं:

- कार्मिक मंत्रालय, लोक शिकायत और पेंशन
- योजना मंत्रालय
- परमाणु ऊर्जा विभाग
- अंतरिक्ष विभाग
- कैबिनेट की नियुक्ति समिति

मंत्रिपरिषद का नेता:

कैबिनेट की बैठकों को प्रधान मंत्री के द्वारा बुलाया जाता है और प्रधानमंत्री ही इस बैठक की अध्यक्षता करता है और यह निर्धारित करता है कि इन बैठकों में कौन सा कार्य किया जाएगा।

संसद और कैबिनेट के बीच की कड़ी:

प्रधान मंत्रीमंत्रिमंडल और संसद के बीच कड़ी के रुप में भी कार्य करता है। वह लोकसभा में बहुमत से पार्टी के नेता होने के साथ संसद में सरकार का मुख्य प्रवक्ता भी होता है। महत्वपूर्ण नीति निर्णयों की घोषणा करना भी प्रधान मंत्री की ही जिम्मेदारी होती है। प्रधान मंत्री सरकार की स्थिति या नीति को स्पष्ट करने के लिए संसद के सामान्य महत्वपूर्ण विचार-विमर्श में भी हस्तक्षेप कर सकता है।

आधिकारिक प्रतिनिधि:

भारत के प्रधान मंत्री द्वारा विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों, उच्च स्तरीय बैठकों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया जाता है और प्रधानमंत्री ही देश को राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न अवसरों पर संबोधित करते हैं।

प्रधान मंत्री की शक्तियां / अधिकार

प्रधान मंत्री द्वारा उपयोग की जाने वाली विभिन्न शक्तियां और अधिकार निम्नानुसार है:

शासन का मुखिया:

भारत का प्रधान मंत्री सरकार का मुखिया होता है। हालांकि राष्ट्र का मुखिया राष्ट्रपति होता हैं, लेकिन अधिकतर कार्यकारी निर्णय प्रधान मंत्री के द्वारा ही लिए जाते हैं। भारत में महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली समितियां, जैसे केंद्रीय मंत्रिमंडल और योजना आयोग सभी प्रधानमंत्री की देख-रेख में ही चलती हैं।

मंत्रिपरिषद का नेता:

जहां तक मंत्रिपरिषद के प्रधान मंत्री के संबंधों का संबंध है, उनकी स्थिति समूह में सर्वोच्च होती है। प्रधान मंत्री की मृत्यु या इस्तीफे की स्थिति में, मंत्रियों की पूरी परिषद को इस्तीफा देना पड़ता है। मंत्री सीधे प्रधान मंत्री को रिपोर्ट करते हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति द्वारा किसी मंत्री का इस्तीफा मांगकर या उसे बरखास्त करवाके हटा भी सकता है। यदि प्रधान मंत्री और किसी अन्य मंत्री के द्वारा दी गई राय में कोई अंतर उठता है, तो हमेशा प्रधान मंत्री की राय को प्रचलित किया जाता है।

संसद का नेता:

प्रधानमंत्री सदन का नेता है जिससे वह संबधित है। वह सदन के विचार-विमर्श में तो भाग ले सकता हैलेकिन इसका वह सदस्य नहीं है। वह राष्ट्रपति को लोकसभा को भंग करने की सलाह भी दे सकता है।

देश के प्रतिनिधि:

अंतरराष्ट्रीय मामलों में, प्रधानमंत्री देश का प्रवक्ता हैं। भारत की विदेश नीति को निर्देशित करने में प्रधानमंत्री की मुख्य भूमिका होती है।

प्रधानमंत्री को दी जाने वाली सुविधाएं

भारतीय प्रधान मंत्री को प्रदान की जाने वाली कुछ सुविधाएं निम्न हैं:

- 7 रेस कोर्स रोड वाला आधिकारिक निवास: या "पंचवटी"(तत्काल लोककल्याण मार्ग)
- विशेष संरक्षण दल (एसपीजी) के व्यक्तिगत कर्मचारी जो उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं।
- प्रधान मंत्री की कार (वर्तमान में बीएमडब्ल्यू 750i)
- विशेष विमान (एयर इंडिया वन)

प्रधान मंत्री के चयन की प्रक्रिया

संबिधान में कहा गया है कि पार्टी या गठबंधन के नेता का चनाव भारत के राष्ट्रपति, द्वारा किया जाता है,जो लोकसभा में बहुमत के साथ भारत के प्रधान मंत्री के रूप में हों। यदि कोई भी पार्टी या गठबंधन में मतदानों की संख्या अधिक नहीं होती, तो राष्ट्रपति सबसे बड़ी पार्टी या गठबंधन के नेता को प्रधान मंत्री के रुप में नियुक्त करता है।लेकिन उसे जितनी जल्दी हो सके संसद के निचले सदन के आत्मविश्वास को जीतना होता है।लोकसभा या राज्यसभा के सदस्य का चयन भी प्रधान मंत्री के रुप में किया जा सकता है।यदि वह संसद के सदन का सदस्य नहीं हैं तो नियुक्ति के छह महीने के अन्दर ही उसे सदन संसद की सदस्यता प्राप्त करनी होगी। प्रधान मंत्री के रूप में, वह सदन का नेता होता है, जिसका वह सदस्य भी होता है।

प्रधान मंत्री की अवधि और सेवानिवृत्ति का समय

राष्ट्रपति के विपरीत, प्रधान मंत्री का कोई एक निश्चित कार्यकाल नहीं है। लोकसभा के सामान्य कार्यकाल की तरह ही प्रधान मंत्री की पूर्ण कार्यकालीन अवधि भी पांच वर्ष है, हालांकि, यदि वह निचले सदन के विश्वास मत को खो देता है तो यह अवधि पहले भी खत्म हो सकती है। इसीलिए, यह कहा जा सकता है कि जब तक प्रधानमंत्री लोकसभा के विश्वास मत में है तब तक वह सत्ता में रह सकते है। प्रधान मंत्रीराष्ट्रपति को अपनी इच्छानुसार भी लिखित रूप से इस्तीफा दे सकता है।

प्रधान मंत्री के कार्यालय में कोई समय सीमा नहीं है। कोई आधिकारिक सेवानिवृत्ति की सीमा भी नहीं है।

भारत के प्रधान मंत्री बनने के लिए योग्यता मापदंड

भारत के प्रधान मंत्री के पद के योग्य व्यक्ति होने के लिए, निम्न शर्तें हैः

- ❖ भारत के नागरिक हो
- ❖ लोकसभा या राज्यसभा का सदस्य हो
- ❖ यदि वह लोकसभा का सदस्य है तो उसकी उम्र 25 साल या उससे अधिक होनी चाहिए और यदि वह राज्यसभा का सदस्य हो तो उसे 30 साल का होनाआवश्यक है।

वह व्यक्ति भारत क प्रधान मंत्री नहीं बन सकता है जो भारत सरकार के या किसी राज्य सरकार के अथवा किसी स्थानीय या अन्य प्राधिकारी के तहत किसी भी सरकार के अधीन रहकर लाभ का कोई पद रखता हो।

भारत के प्रधान मंत्री का वेतन

भारत के संविधान के अनुच्छेद 75 के अनुसार, प्रधान मंत्री का वेतन संसद के द्वारा तय किया जाता है और समय-समय इसमें संशोधन भी होते रहते हैं। 31 जुलाई 2012 तक भारत के प्रधान मंत्री का मासिक वेतन और भत्ते 1,60,000 रुपये (यूएस $ 2,600) थे।

31 जुलाई 2012 को प्रधान मंत्री का वेतन और भत्ता (रुपये में)

वेतन	**50000**
व्यय संबंधी भत्ता	3000
दैनिक भत्ता	62,000 (प्रति दिन @ 2,000)
निर्वाचन क्षेत्र का भत्ता	45,000
कुल	1,60,000

पेंशन

भारत के पूर्व प्रधान मंत्री को प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ:

- ❖ जीवन भर के लिए किराए मुफ्त आवास।
- ❖ पूर्व प्रधान मंत्री के साथ 14 सचिवालय के कर्मचारियों के स्टाफ को चिकित्सा सुविधाएं,वास्तविक व्यय को लेकर कार्यालय खर्च,छह डोमेस्टिक फ्लाइट्ब में एग्जेक्टिव क्लास का टिकट|
- ❖ शुरुआती पांच वर्षों तक असीमित मुफ्त ट्रेन यात्रा।
- ❖ एक वर्ष के लिए विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी) कवर।

पांच साल बादः एक निजी सहायक और चपरासी,मुफ्त हवाई जहाज और ट्रेन टिकट और कार्यालय खर्च के लिए 6,000 रुपये।

प्रधान मंत्री कहाँ रहते हैं?

भारतीय प्रधान मंत्री का 7 रेस कोर्स रोड वाला आधिकारिक निवास है। यह भी उनका मुख्य कार्यस्थल है।इस निवास का आधिकारिक नाम "पंचवटी" है। इसे 1980 के दशक में बनाया गया था। इसके पूरे परिसर काक्षेत्र 12 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें पांच बंग्ले हैं। जब किसी व्यक्ति को नए प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो उसके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री निवास को खाली कर देता हैऔर पदाधिकारी को जल्द से जल्द अपने आधिकारिक निवास में स्थानांतरित होने की सलाह दी जाती है।

भारत के प्रधान मंत्री की सूची व अन्य रोचक जानकारियाँ

भारत के प्रधानमंत्री एवं कार्यकाल

सं.	नाम	कार्यकाल आरंभ	कार्यकाल समाप्त	जन्म स्थान	चुनाव क्षेत्र
01	जवाहर लाल नेहरू	15 अगस्त, 1947	27 मई, 1964	इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	फूलपूर ,उत्तर प्रदेश
02	गुलजारीलाल नंदा	27 मई, 1964	9 जून, 1964	सियालकोट, पंजाब	मुंबई, महाराष्ट्र
03	लालबहादुर शास्त्री	9 जून, 1964	11 जनवरी, 1966	मुगलसराय, उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
04	गुलजारीलाल नंदा	11 जनवरी, 1966	24 जनवरी, 1966	सियालकोट, पंजाब	मुंबई, महाराष्ट्र
05	इन्दिरा गान्धी	24 जनवरी, 1966	24 मार्च, 1977	इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	राय बरेली, उत्तर प्रदेश; मेडक, आंध्र प्रदेश
06	मोरारजी देसाई	24 मार्च, 1977	28 जुलाई, 1979	भदेली, गुजरात	सुरत, गुजरात
07	चौधरी चरण सिंह	28 जुलाई, 1979	14 जनवरी, 1980	मेरठ, उत्तर प्रदेश	बागपत, उत्तर प्रदेश
08	इन्दिरा गान्धी	14 जनवरी, 1980	31 अक्तूबर, 1984	इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	राय बरेली, उत्तर प्रदेश; मेडक, आंध्र प्रदेश
09	राजीव गान्धी	31 अक्तूबर, 1984	2 दिसंबर, 1989	इलाहाबाद	अमेठी, उत्तर प्रदेश
10	विश्वनाथ प्रताप सिंह	2 दिसंबर, 1989	10 नवंबर, 1990	मांडा, उत्तर प्रदेश	फतेहपूर, उत्तर प्रदेश
11	चंद्रशेखर	10 नवंबर, 1990	21 जून, 1991	इब्राहिमपट्टी, उत्तर प्रदेश	बलिया, उत्तर प्रदेश
12	नरसिंह राव	21 जून, 1991	16 मई, 1996	करीमनगर, आंध्र प्रदेश	नंडयाल, आंध्र प्रदेश
13	अटल बिहारी वाजपेयी	16 मई, 1996	1 जून, 1996	ग्वालियर, मध्य प्रदेश	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
14	एच डी देवगौड़ा	1 जून, 1996	21 अप्रेल, 1997	हरदानाहल्ली, कर्नाटक	हसन, कर्नाटक
15	इंद्रकुमार गुजराल	21 अप्रेल, 1997	19 मार्च, 1998	झेलम (अब पाकिस्तान में)	जलंधर, पंजाब
16	अटल बिहारी वाजपेयी	19 मार्च, 1998	22 मई, 2004	ग्वालियर, मध्य प्रदेश	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
17	मनमोहन सिंह	22 मई, 2004	22 मई, 2009	पजाब के एक गाव (अब पाकिस्तान में)	असम राज्यसभा से
8	मनमोहन सिंह	22 मई, 2009	26 मई, 2014	पजाब के एक गाव (अब पाकिस्तान में)	असम राज्यसभा से
9	नरेन्द्र मोदी	26 मई, 2014	"कार्यकाल जारी"	वाड़नगर, मेहसाना जिला (गुजरात)	वाराणसी, उत्तर प्रदेश से

भारतीय प्रधान मंत्री के बारे में दिलचस्प तथ्य

- जवाहरलाल नेहरू 1947 से स्वतंत्रता के बाद से सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय प्रधान मंत्री थे उनकी मृत्यु 1964 में हुई थी।
- जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद गुलजारी लाल नंदा ने भारत के कार्यकारी प्रधान मंत्री के रूप में दो बार सेवा की।
- 1999 में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) द्वारा आयोजित एक चुनाव में इंदिरा गांधी को "मिलेनियम की महिला" नाम दिया गया था।
- भारत की प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी भारत रत्न प्राप्त करने वाली पहली महिला थीं। 2011 में इन्हें बांग्लादेश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार "बांग्लादेश स्वाधीनता सम्मन" से भी सम्मानित किया गया था।
- मोरारजी देसाई भारत के पहले गैर-कांग्रेस प्रधान मंत्री थे तथा अपना कार्यकाल पूरा किए बिना इस्तीफा देने वाले भी पहले प्रधान मंत्री थे।
- मोरारजी देसाई एकमात्र भारतीय प्रधान मंत्री हैं जिन्हें पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, निसान-ए-पाकिस्तान से सम्मानित किया गया है।
- राजीव गांधी सबसे कम उम्र के भारतीय प्रधान मंत्री थे, उन्होंने 40 साल की उम्र में ही प्रधानमंत्री के पद को संभाला था।
- राजीव गांधी 7, रेस कोर्स में रहने वाले भारत के पहले प्रधान मंत्री थे।
- पी.वी. नरसिम्हा राव दक्षिण भारत के पहले प्रधान मंत्री थे।
- एच.डी. देवेगौड़ा भारत के पहले प्रधान मंत्री थे जो राज्यसभा के सदस्य थे।
- डॉ. मनमोहन सिंह भारत में सबसे लंबे समय से सेवा करने वाले प्रधान मंत्री थे जो राज्य सभा (2004-2014) के सदस्य थे।

भारत के स्वतंत्रता से अब तक 15 प्रधानमंत्री (14 व्यक्ति) हुए देश में। प्रधानमंत्री देश का प्रतिनिधि और भारतीय सरकार का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है। प्रधानमंत्री, संसद में बहुमत प्राप्त पार्टी का नेता होता है। ये देश के राष्ट्रपति का मुख्य सलाहकार होने के साथ ही मंत्रीपरिषद का मुखिया भी होता है। पंडित जवाहर लाल नेहरु को सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री के रुप में देश की सेवा करने का गौरव प्राप्त है जो कि 1964 में अपनी मृत्यु तक इस पद पर रहे।

भारत के प्रधानमंत्री कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, आणविक ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, नियोजन मंत्री और कैबिनेट की नियुक्ति कमेटी के प्रभारी आदि होते है। वो मंत्रीपरिषद का निर्माण, विभागों का बँटवारा, कैबिनेट कमेटी के अध्यक्ष, मुख्य नीति संयोजक तथा राष्ट्रपति के सलाहकार का कार्य करते है। नीचे हम आपकी जानकारी के लिये स्वतंत्रता से लेकर अभी तक प्रधानमंत्रीयों के नाम उनके विवरण सहित दे रहे है।

भारतीय प्रधानमंत्री

जवाहर लाल नेहरु

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964
निर्वाचन क्षेत्र : फूलपुर, उत्तर प्रदेश

भारत की आजादी के बाद जवाहर लाल नेहरु भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने और 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 (16 साल 286 दिन) तक देश की सेवा की। वो चार बार भारत के प्रधानमंत्री का चुनाव जीते। नेहरु जी ने देश के रक्षा मंत्री (31 अक्टूबर 1962 से 14 नवंबर 1962, 30 जनवरी 1957 से 17 अप्रैल 1957 और 10 फरवरी 1953 से 10 जनवरी 1955), वित्त मंत्रालय (13 फरवरी 1958 से 13 मार्च, 1958 और 24 जुलाई 1956 से 30 अगस्त 1956) तथा विदेश मंत्रालय (15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964) के तौर पर भी देश के लिये काम किया है। भारतीय स्वतंत्रा आंदोलन के वो एक प्रमुख नेता थे और 1947 से अपनी मृत्यु तक भारत की सेवा की। वो पंडित नेहरु (अध्येता नेहरु या पंडितजी) के नाम से प्रसिद्ध थे जबकि बच्चे उन्हें चाचा नेहरु कहकर बुलाते थे।

इनका जन्म ब्रिटीश भारत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के उत्तर-पश्चिम प्रांत के इलाहाबाद में 14 नवंबर 1889 को हुआ। ये पेशे से एक वकील, लेखक और राजनीतिज्ञ थे। इन्होंने ट्रीनीटी कॉलेज, कैंब्रिज़ से 1910 में अपनी ऑनर्स की डिग्री पूरी की तथा कानून की डिग्री लंदन के इन्स ऑफ कोर्ट स्कूल ऑफ लॉ से प्राप्त की। हृदयघात की वजह से नई दिल्ली में 74 साल की उम्र में 27 मई 1964 को इनका देहांत हो गया।

गुलजारी लाल नंदा

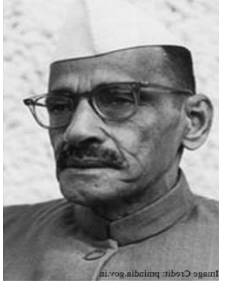

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 27 मई 1964 से 9 जून 1964
निर्वाचन क्षेत्र : सबरकांता से सांसद

गुलजारी लाल नंदा भारत के पहले कार्यकारी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने 27 मई 1964 से 9 जून 1964 तक 13 दिन के लिये नये प्रधानमंत्री के चुनाव तक इस पद पर कार्य किया (जवाहर लाल नेहरु के निधन के पश्चात्)। इन्होंने 29 अगस्त 1963 से 14 नवंबर 1966 तक देश के गृहमंत्री के रुप में भी अपनी सेवाएँ दी है।

इनका जन्म ब्रिटीश भारत (पंजाब, पाकिस्तान) के पंजाब, सियालकोट में 4 जुलाई 1898 में (पंजाबी हिन्दू परिवार में) हुआ था। इन्हें 1997 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाज़ा गया। 15 जनवरी 1998 में गुजरात के अहमदाबाद में इनका निधन हो गया।

लाल बहादुर शास्त्री

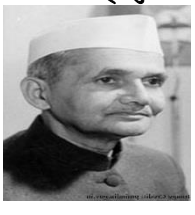

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966
निर्वाचन क्षेत्र : इलाहाबाद से सांसद

स्वतंत्र और गणतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी बने जिन्होंने 1 साल 216 दिन तक प्रधानमंत्री के रुप में राष्ट्र की सेवा की। शास्त्री जी ने प्रधानमंत्री के अलावा देश के विदेश (9 जून 1964 से 18 जुलाई 1964) और गृह मंत्रालय (4 अप्रैल 1961 से 29

अगस्त 1963) का भी कार्यभार सँभाला। ये भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के नेता थे तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इन्होंने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। ये सभी देशवासियों के लिये प्रेरणा के स्रोत रहे है साथ ही 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान इन्होंने सफलतापूर्वक देश का नेतृत्व किया और खाद्य की कमी से जूझ रहे भारत को "जय जवान जय किसान" का जोशीला नारा दिया था।

ब्रिटीश राज (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के केन्द्रीय प्रांत, वाराणसी में 2 अक्टूबर 1904 को इनका जन्म हुआ। अपने कार्यकाल के दौरान सोवियत संघ के ताशकंद (वर्तमान उज्बेकिस्तान) में 11 जनवरी 1966 को इनका निधन हो गया था। ऐसा माना जाता है कि इनकी मृत्यु हृदयघात से हुई थी हालाँकि आज भी इनके मौत का रहस्य एक अबूझ पहेली बनी हुई है। ये पहले व्यक्ति थे जिनको मरणोंपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

गुलजारी लाल नंदा

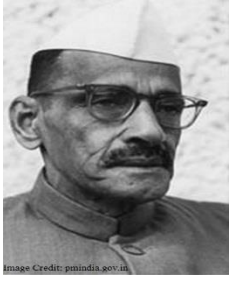

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966
निर्वाचन क्षेत्र : सबरकांता से सांसद

लाल बहादुर शास्त्री के अचानक देहांत के बाद गुलजारी लाल नंदा भारत के दूसरे कार्यकारी प्रधानमंत्री बने। इस बार भी इनका कार्यकाल (11 जनवरी 1966 से 24 जनवरी 1966) सिर्फ 13 दिनों का ही था जब तक कि नए प्रधानमंत्री का चुनाव न हो जाए।

इंदिरा गाँधी

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977
निर्वाचन क्षेत्र : राय बरेली से सांसद

इंदिरा गाँधी भारत की तीसरी (पहली महिला) प्रधानमंत्री बनी और 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977 तक (11 वर्ष 59 दिन) राष्ट्र को अपनी सेवाएँ दी। ये तीन बार प्रधानमंत्री का चुनाव जीतने में सफल रही जिसमें कि दो बार इन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया जबकि तीसरा कार्यकाल 1 वर्ष 59 दिन तक ही रहा। इन्होंने मंत्रीपरिषद में विभिन्न पदों पर रहते हुए देश की सेवा की, जैसे विदेश मंत्री (9 मार्च 1984 से 31 अक्टूबर 1984 और 22 अगस्त 1967 से 14 मार्च 1969), रत्रामंत्री (14 जनवरी 1980 से 15 जनवरी 1982 तथा 30 नवंबर 1975 से 20 दिसंबर 1975), गृहमंत्री (27 जून 1970 से 4 फरवरी 1973), वित्त मंत्री (16 जुलाई 1969 से 27 जून 1970), सूचना प्रसारण मंत्री (1964 से 1966)।

ये अपने पिता जवाहर लाल नेहरु (पहले सबसे अधिक समय तक प्रधानमंत्री की कुर्सी पर रहे) के बाद दूसरी सबसे अधिक समय तक भारत के प्रधानमंत्री के रुप में कार्यरत रहीं तथा एकमात्र महिला जिन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय को नियंत्रित किया।

इनका जन्म ब्रिटीश भारत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के केन्द्रीय प्रांत इलाहाबाद में 19 नवंबर 1917 को एक कश्मारी पंडित परिवार में हुआ। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान 1971 में इंदिरा गाँधी को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाज़ा गया। 1999 में आयोजित एक चुनाव में सहस्राब्दि महिला के उपाधि से इन्हें सम्मानित किया गया तथा 2001 में इंडिया टूडे द्वारा भारत का सबसे महानतम प्रधानमंत्री करार दिया गया। नई दिल्ली में 66 साल की उम्र में 31 अक्टूबर 1984 में इनके अपने सिक्ख सुरक्षा कर्मियों द्वारा हत्या कर दी गई।

मोरारजी देसाई

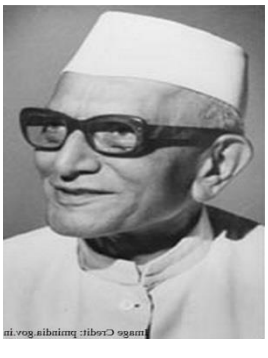

राजनीतिक पार्टी : जनता पार्टी
कार्यकाल: 24 मार्च 1977 से 28 जुलाई 1979
निर्वाचन क्षेत्र : सूरत से सांसद

मोरारजी देसाई भारत के चौथे प्रधानमंत्री थे और 24 मार्च 1977 से 28 जुलाई 1979 तक देश की सेवा की। पेशे से प्रशासक और भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता मोरारजी देसाई ने देश के गृहमंत्री (1 जुलाई 1978 से 28 जुलाई 1979), भारत के दूसरे उप प्रधानमंत्री (13 मार्च 1967 से 16 जुलाई 1969), तथा वित्त मंत्री (13 मार्च 1967 से 16 जुलाई 1969 और 13 मार्च 1958 से 29 अगस्त 1963)

के रुप में भी देश की सेवा की है। ये भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिन्होंने भारत की पहली गैर काँग्रेसी सरकार का नेतृत्व किया। ये एकमात्र भारतीय थे जिनको 1990 में राष्ट्रपति गुलाम इश्क़ ख़ान द्वार पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान से नवाज़ा गया।इनका जन्म ब्रिटीश भारत के बम्बई प्रांत के भदेली में 29 फरवरी 1896 में हुआ तथा निधन 10 अप्रैल 1995 में 99 वर्ष की उम्र में नई दिल्ली में हुआ। इन्होंने लंबे समय तक मूत्र रोगोपचार के चिकित्सक तथा मूत्र पीने से होने वाले फायदे के बारे में डैन रैदर से 60 मिनट में बताया।

चौधरी चरन सिंह

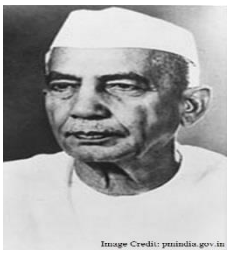

राजनीतिक पार्टी : जनता पार्टी
कार्यकाल: 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980
निर्वाचन क्षेत्र : बागपत से सांसद

चौधरी चरन सिंह भारत के पाँचवे प्रधानमंत्री थे और 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक प्रधानमंत्री के पद पर कार्य किया। इन्होंने देश के वित्त मंत्री (24 जनवरी 1979 से 28 जुलाई 1979), भारत के उप प्रधानमंत्री (24 मार्च 1977 से 28 जुलाई 1979), गृहमंत्री (24 मार्च 1977 से 1 जुलाई 1978) और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री (3 अप्रैल 1967 से 25 फरवरी 1968 तथा 18 फरवरी 1970 से 1 अक्टूबर 1970) के तौर पर भी देश को अपनी सेवा प्रदान की। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महात्मा गाँधी के अभिप्रेरणा के द्वारा इनका राजनीति में प्रवेश हुआ।

इनका जन्म ब्रिटीश भारत के केन्द्रीय प्रांत, नूरपूर में 23 दिसंबर 1902 में हुआ। इन्होंने अपनी एमए की डिग्री (1925 में) और लॉ की डिग्री (1926) आगरा यूनिर्वसिटी से ली। 84 साल की आयु में 29 मई 1987 को इनका देहांत हो गया।

इंदिरा गाँधी

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 14 जनवरी 1980 से 31 अक्टूबर 1984
निर्वाचन क्षेत्र : मेदक से सांसद
इंदिरा गाँधी अपनी मृत्यु से पहले भारत की छठवीं प्रधानमंत्री बनी और इस दौरान इनका कार्यकाल 14 जनवरी 1980 से 31 अक्टूबर 1984 (4 वर्ष 291 दिन) रहा।

राजीव गाँधी

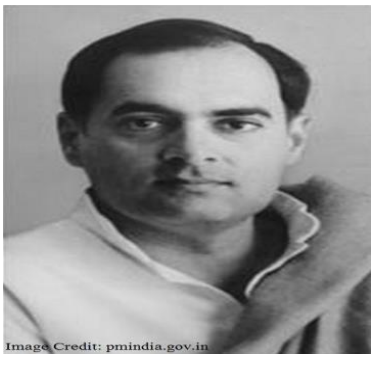

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 31 अक्टूबर 1984 से 2 दिसंबर 1989
निर्वाचन क्षेत्र : अमेठी से सांसद

राजीव गाँधी (पूरा नाम राजीव रत्न गाँधी) भारत देश के सातवें प्रधानमंत्री बने और इंदिरा गाँधी के मौत के बाद 31 अक्टूबर 1984 से 2 दिसंबर 1989 (5 साल 32 दिन) तक देश के लिये कार्य किया। इन्होंने नेता विपक्ष (18 दिसंबर 1989 से 23 दिसंबर 1990), भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के अध्यक्ष (1985 से 1991), तथा अमेठी से संसद सदस्य के रुप में देश की सेवा की (17 अगस्त 1981 से 21 मई 1991)। ये भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। इसके पहले ये एक पेशेवर पाइलेट थे हालाँकि 1980 में अपने भाई की वायु दुर्घटना में मौत होने के बाद अपनी माँ के आदेश पर राजनीति के मैदान में उतरे। उनके निधन के बाद उन्हें 1991 में भारतीय सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया।

ब्रिटीश भारत (वर्तमान मुम्बई, महाराष्ट्र) के बॉम्बे प्रांत के बम्बई में 20 अगस्त 1944 को इनका जन्म हुआ और निधन 21 मई 1991 में 46 साल की उम्र में तमिलनाडु के श्रीपेरुम्बुदुर में हुआ। एक सार्वजनिक सभा में थेनमोज़ी राजारत्नम नाम की महिला के द्वारा राजीव गाँधी पर हमला कर हत्या कर दी गई।

वी.पी सिंह

राजनीतिक पार्टी : जनता दल
कार्यकाल: 2 दिसंबर 1989 से 10 नवंबर 1990
निर्वाचन क्षेत्र : फतेहपुर से सांसद

विश्वनाथ प्रताप सिंह भारत के आठवें प्रधानमंत्री बने जिन्होंने 2 दिसंबर 1989 से 10 नवंबर 1990 तक देश को अपनी सेवा प्रदान की। इन्होंने प्रधानमंत्री के अलावा देश के रक्षामंत्री (2 दिसंबर 1989 से 10 नवंबर 1990 तथा 24 जनवरी 1987 से 12 अप्रैल 1987), वित्तमंत्री (31 दिसंबर 1984 से 23 जनवरी 1987), तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री (9 जून 1980 से 19 जुलाई 1982) के तौर पर भी कार्य किया।

इनका जन्म (राजपूत जमींदार अर्थात् पारंपरिक जमींदार परिवार में) ब्रिटीश भारत के केन्द्रीय प्रांत के इलाहाबाद में 25 जून 1931 को हुआ। इनकी शिक्षा-दीक्षा कर्नल ब्राउन कैंब्रिज़ स्कूल, देहरादून और पूने यूनिवर्सिटी से पूरी हुई। बोन मैरो कैंसर और गुर्दे के काम न करने की वजह से दिल्ली के अपोलो अस्पताल में 77 साल की उम्र में 27 नवंबर 2008 में इनका निधन हो गया।

चन्द्र शेख़र

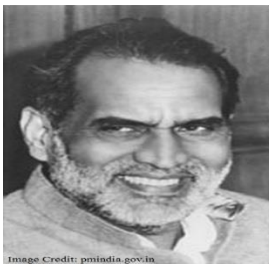

राजनीतिक पार्टी : समाजवादी जनता पार्टी
कार्यकाल: 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991
निर्वाचन क्षेत्र : बलिया से सांसद

भारत के नौंवे प्रधानमंत्री के रुप में श्री चन्द्र शेख़र ने 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991 तक देश की सेवा की। इनका जन्म ब्रिटीश भारत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के केन्द्रीय प्रांत के इब्राहिमपट्टी में 1 जुलाई 1927 को हुआ। इन्होंने स्नातक की डिग्री सतीश चन्द्र पी.जी कॉलेज से लिया और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद ये समाजवादी राजनीति से जुड़ गये। बोन मैरो कैंसर की वजह से 80 साल की उम्र में 8 जुलाई 2007 को इनका निधन हो गया।

पी.वी. नरसिम्हा राव

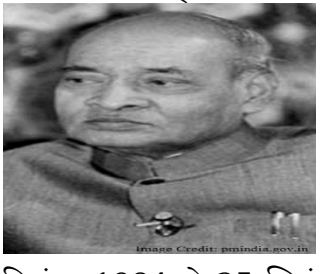

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 21 जून 1991 से 16 मई 1996
निर्वाचन क्षेत्र : नंद्याल से सांसद

पामुलापर्ती वेंकट नरसिम्हा राव भारत के दसवें प्रधानमंत्री थे जिन्होंने 21 जून 1991 से 16 मई 1996 (4 वर्ष 330 दिन) तक देश के पीएम के रुप में सेवा की। इन्होंने भारत के रक्षामंत्री (6 मार्च 1993 से 16 मई 1996 तथा 31 दिसंबर 1984 से 25 सितंबर 1985), विदेशमंत्री (31 मार्च 1992 से 18 जनवरी 1993, 25 जून 1988 से 2 दिसंबर 1989, तथा 14 जनवरी 1980 से 19 जुलाई1984), गृहमंत्री (12 मार्च 1986 से 12 मई 1986 तथा 19 जुलाई 1984 से 31 दिसंबर से 1984 से) तथा आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री (30 सितंबर 1971 से 10 जनवरी 1973) के तौर पर भी देश को अपना योगदान दिया है। पेशे से ये एक वकील, कार्यकर्ता तथा कवि थे। ये भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिनका संबंध दक्षिण भारत के गैर-हिन्दी भाषी क्षेत्र से था। ये "भारतीय आर्थिक सुधारों के पिता" और चाणक्य के रुप में भी प्रसिद्ध थे।

हैदराबाद राज्य (वर्तमान तेलांगाना) के करीमनगर में 28 जून 1921 में तेलूगु ब्राहमिन परिवार में इनका जन्म हुआ। इन्होंने अपनी बीए की डिग्री उसमानिया यूनिवर्सिटी से ली तथा कानून में स्नातकोत्तर की डिग्री हिसलॉप कॉलेज (नागपुर विश्वविद्यालय) से प्राप्त की। हृदयघात की वजह से नई दिल्ली के एम्स में 83 साल की उम्र में 23 दिसंबर 2004 में इनका देहांत हुआ।

अटल बिहारी वाजपेयी

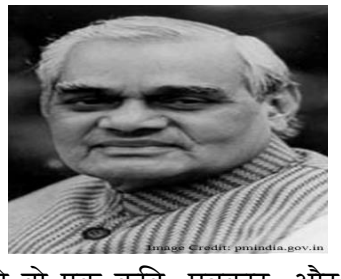

राजनीतिक पार्टी : भारतीय जनता पार्टी
कार्यकाल: 16 मई 1996 से 1 जून 1996
निर्वाचन क्षेत्र : लखनऊ से सांसद

अपने पहले कार्यकाल में श्री अटल बिहारी वाजपेयी 16 मई 1996 से 1 जून 1996 (13 दिन) तक देश के प्रधानमंत्री रहें। अटल जी ने विदेशमंत्री के रुप में भी 26 मार्च 1977 से 28 जुलाई 1979 देश की सेवा की। पेशे से वो एक कवि, पत्रकार, और राजनीतिक कार्यकर्ता थे। 27 मार्च 2015 को भारत के राष्ट्रपति ने उनके आवास पर उनको भारत रत्न से सम्मानित किया। उन्हें पद्म विभूषण (1992 में), लोकमान्य तिलक सम्मान (1994 में), सबसे अच्छे सांसद के सम्मान (1994 में) आदि से भी नवाज़ा गया। हर साल अटल जी के जन्मदिवस (25 दिसंबर) को "गुड गवर्नेंस डे" के रुप में मनाने की घोषणा हुई है।

अटल जी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्यम वर्गीय ब्राह्मण परिवार में ग्वालियर में हुआ। इन्होंने दयानंद एंग्लो वेदिक कॉलेज़ से राजनीतिक शास्त्र में एम.ए की डिग्री प्राप्त की। संसद में बहुमत न होने की वजह से 13 दिन में ही इनकी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा था।

एच.डी.देवगौड़ा

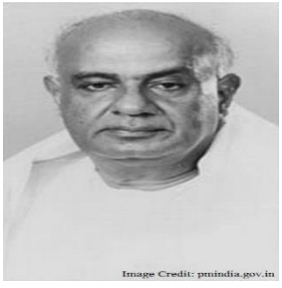

राजनीतिक पार्टी : जनता दल
कार्यकाल: 1 जून 1996 से 21 अप्रैल 1997
निर्वाचन क्षेत्र : कर्नाटक से (राज्यसभा) सांसद

हरदनहल्ली डोडेगौड़ा देवी गौड़ा भारत के ग्यारहवें प्रधानमंत्री बने तथा 1 जून 1996 से 21 अप्रैल 1997 (324 दिन) तक देश की सेवा की। देवगौड़ा जी ने देश के गृहमंत्री (1 जून 1996 से 29 जून 1996) तथा कर्नाटक के चौदहवें मुख्यमंत्री (11 दिसंबर 1994 से 31 मई 1996) के रुप में भी देश की सेवा की।

ब्रिटीश भारत (वर्तमान कर्नाटक) के मैसूर राज्य में, हरदनहल्ली में 18 मई 1933 में (दूसरी पिछड़ी वर्ग) वोक्कालिगा जाति परिवार में इनका जन्म हुआ। इन्होंने कर्नाटक के श्रीमती एल.वी.पॉलीटैक्निक, हसान से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। पेशे से ये एक कृषि विज्ञानी, किसान, सामाजिक कार्यकर्ता तथा राजनीतिज्ञ है। 1953 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस से जुड़ने के साथ ही इन्होंने राजनीति में प्रवेश किया।

आई.के.गुजराल

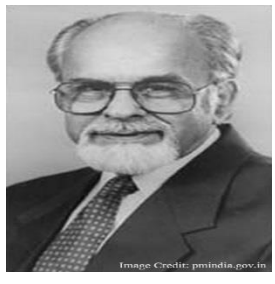

राजनीतिक पार्टी : जनता दल
कार्यकाल: 21 अप्रैल 1997 से 19 मार्च 1998
निर्वाचन क्षेत्र : बिहार से (राज्यसभा) सांसद

भारत के बारहवें प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल थे और 21 अप्रैल 1997 से 19 मार्च 1998 (केवल 332 दिन) तक देश को अपना योगदान दिया। इन्होंने देश के वित्तमंत्री (21 अप्रैल 1997 से 1 मई 1997) तथा विदेशमंत्री (1 जून 1996 से 19 मार्च 1998 तथा 5 दिसंबर 1989 से 10 नवंबर 1990) के रुप में भी देश की सेवा की। ये राज्यसभा (पहली इंदिरा गाँधी और दूसरे एच.डी.देवीगौड़ा) से भारत के तीसरे प्रधानमंत्री बने।

इनका जन्म ब्रिटीश भारत (वर्तमान पंजाब, पाकिस्तान) के पंजाब के झेलम में 4 दिसंबर 1919 को हुआ था। इन्होंने अपनी पढ़ाई हेली कॉलेज ऑफ कॉमर्स और फोरमैन क्रिश्चन कॉलेज यूनिवर्सिटी, लाहौर से पूरी की। नई दिल्ली के नगरपालिका कमेटी के उपाध्यक्ष के रुप में चुने जाने के द्वारा 1958 में ये राजनीति में आये और 1964 में ये काँग्रेस पार्टी से जड़े। सीने में गंभीर संक्रमण के कारण हरियाणा के गुड़गाँव में 92 साल की उम्र में 30 नवंबर 2012 को इनका देहांत हो गया।

अटल बिहारी वाजपेयी

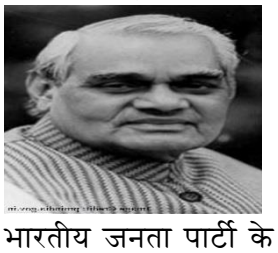

राजनीतिक पार्टी : भारतीय जनता पार्टी
कार्यकाल: 19 मार्च 1998 से 22 मई 2004
निर्वाचन क्षेत्र : लखनऊ से सांसद

अटल बिहारी वाजपेयी दुबारा से भारत के तेरहवें प्रधानमंत्री बने और 19 मार्च 1998 से 22 मई 2004 (6 साल 64 दिन) तक देश को अपना योगदान दिया। अटल जी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्वकर्ता थे (जिसे बीजेपी भी कहा जाता है)। ये भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हुए जिनका संबंध भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पार्टी से नहीं था तथा इन्होंने पूरे पाँच साल का कार्यकाल देश की सेवा में दिया।

मनमोहन सिंह

राजनीतिक पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
कार्यकाल: 22 मई 2004 से 26 मई 2014
निर्वाचन क्षेत्र : आसाम से (राज्यसभा) सांसद

मनमोहन सिंह भारत के चौदहवें प्रधानमंत्री थे और इन्होंने 22 मई 2004 से 26 मई 2014 (10 साल 4 दिन) तक देश की सेवा की। इन्होंने भारत के वित्तमंत्री (21 जून 1991 से 16 मई 1996),राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष (21 मार्च 1998 से 21 मई 2004), योजना आयोग के उपाध्यक्ष (15 जनवरी 1985 से 31 अगस्त 1987), रिजर्व बैंक के गवर्नर (15 सितंबर 1982 से 15 जनवरी 1985) तथा संसद सदस्य (राज्यसभा) (पदाधिकारी- 1991 में स्वीकृत) के रुप में भी देश को अपना बहुमूल्य योगदान दिया। ये देश के पहले सिक्ख प्रधानमंत्री होने के साथ ही जवाहर लाल नेहरु के बाद देश के पहले ऐसे

प्रधानमंत्री है जो अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने के बाद चुन के आये। मनमोहन सिंह पेशे से एक अर्थशास्त्री और प्रशासक थे।

इनका जन्म ब्रिटीश भारत के पंजाब के गह में 26 सितंबर 1932 को एक सिख्ख परिवार में हुआ था। चंडीगढ़ के पंजाब यूनिवर्सिटी से क्रमश: 1952 और 1954 में इन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। उसके बाद कैंब्रिज़ यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र ट्राइपोज़ को पूरा किया तथा ऑक्स्फोर्ड यूनिवर्सिटी से डी.फिल किया। इनके देश के लिये किये बेहतरीन कार्यों के लिये भारत के राष्ट्रपति द्वारा 1987 में इन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

नरेन्द्र मोदी

राजनीतिक पार्टी : भारतीय जनता पार्टी
कार्यकाल: 26 मई 2014 से पदस्थ
निर्वाचन क्षेत्र : वाराणसी से सांसद

नरेन्द्र मोदी (नरेन्द्र दामोदरदास मोदी) भारत के वर्तमान पंद्रहवें प्रधानमंत्री है और 26 मई 2014 से कार्यरत है। इन्होंने बीजेपी के नेता होने के साथ ही गुजरात राज्य के चौदहवें मुख्यमंत्री (7 अक्टूबर 2001 से 22 मई 2014), वाराणसी से सांसद (पदस्थ, तथा 16 मई 2014 से कार्यालय स्वीकृत) तथा मनीनगर से गुजरात विधानसभा के सदस्य (1 जनवरी 2002 से 16 मई 2014) के रुप में देश को अपनी सेवा प्रदान की है।

मोदी जी का जन्म बॉम्बे राज्य (वर्तमान गुजरात), के मेहसाना जिले के वडनगर में 17 सितंबर 1950 को हुआ था। 1985 में आरएसएस के द्वारा ये राजनीति में आये और 1988 में पार्टी के गुजरात ईकाई के आयोजन सचिव के रुप में चुने गए।